

## दिल्ली उच्च न्यायालय ने गर्भपात की मंजूरी का आदेश वापस लिया

### प्रलिस के लिये:

गर्भ का चिकित्सकीय समापन, [गर्भ का चिकित्सकीय समापन \(MPT\), संशोधन अधिनियम 2021](#), अनुच्छेद 21 का दायरा, सुचिता श्रीवास्तव बनाम चंडीगढ़ प्रशासन मामला, रो बनाम वेड मामला ।

### मेन्स के लिये:

भारत में गर्भ के चिकित्सकीय समापन की स्थिति, गर्भ का चिकित्सकीय समापन (MPT), संशोधन अधिनियम 2021 की मुख्य विशेषताएँ ।

[स्रोत: द हट्टि](#)

### चर्चा में क्यों?

हाल ही में [दिल्ली उच्च न्यायालय](#) ने अपने उस आदेश को वापस ले लिया है जिसमें **26 वर्षीय महिला** को 29 सप्ताह के गर्भ को समाप्त करने की अनुमति दी गई थी ।

- न्यायालय ने अब [अजनमे बच्चे](#) के जीवन के अधिकार की वकालत करते हुए महिला को एम्स या किसी केंद्रीय या राज्य अस्पताल में प्रसव कराने का निर्देश दिया है ।

### भारत में गर्भ के चिकित्सकीय समापन की स्थिति क्या है?

- ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य:** 1960 के दशक में, बड़ी संख्या में प्रेरित गर्भपात के मद्देनज़र केंद्र सरकार ने देश में गर्भपात को वैध बनाने पर विचार-विमर्श करने के लिये शांतलाल शाह समिति का गठन किया ।
  - इसकी सिफारिशों के परिणामस्वरूप **गर्भ का चिकित्सकीय समापन (MPT) अधिनियम, 1971 अधिनियम** किये गया, जिससे महिलाओं के स्वास्थ्य की रक्षा और मातृ मृत्यु दर में कमी लाने के लिये सुरक्षा तथा कानूनी गर्भपात की अनुमति दी गई ।
- MTP अधिनियम और संशोधन:**
  - MTP अधिनियम, 1971** लाइसेंस प्राप्त चिकित्सा पेशेवरों को महिलाओं के स्वास्थ्य की रक्षा और मातृ मृत्यु दर को कम करने के लिये विशेष पूर्व निर्धारित स्थितियों (जैसा कि कानून के तहत प्रदान किया गया है) में **सुरक्षा तथा कानूनी गर्भपात** करने की अनुमति देता है ।
    - इसमें [गर्भ का चिकित्सकीय समापन \(MPT\), संशोधन अधिनियम 2021](#) के माध्यम से बाद में संशोधन किया गया ।
- गर्भ के समाप्त के प्रावधान:**

| गर्भाधान के बाद से समय          | MTP अधिनियम, 1971   | MTP (संशोधन) अधिनियम, 2021  |
|---------------------------------|---|---|
| 12 सप्ताह तक                    | एक चिकित्सक की सलाह पर  | एक चिकित्सक की सलाह पर  |
| 12 से 20 सप्ताह                 | दो चिकित्सकों की सलाह पर  | एक चिकित्सक की सलाह पर  |
| 20 से 24 सप्ताह                 | अनुमति नहीं   | वैशेष श्रेणी की गर्भवती महिलाओं के लिये दो चिकित्सकों की सलाह पर                |
| 24 सप्ताह से अधिक               | अनुमति नहीं   | भ्रूण में गंभीर असामान्यता के मामले में मेडिकल बोर्ड की सलाह पर अनुमति          |
| गर्भावस्था के दौरान किसी भी समय | गर्भवती महिला की जान बचाने के लिये यदितुरंत आवश्यक हो तो किसी डॉक्टर की सलाह पर | गर्भवती महिला की जान बचाने के लिये यदितुरंत आवश्यक हो तो किसी डॉक्टर की सलाह पर |

**नोट:** MTP संशोधन अधिनियम, 2021 के तहत महिलाओं की विशेष श्रेणियों में [बलात्कार पीड़िता](#), **यौन शोषण की शिकार** एवं अन्य कमज़ोर महिलाएँ जैसे **दिव्यांग और नाबालग** शामिल हैं ।



## UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न

??????????:

प्रश्न. भारत में समय और स्थान के वरिद्ध महिलाओं के लयि नरिंतर चुनौतयिँ क्या हैं? (2019)

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/delhi-high-court-reverses-abortion-approval-order>

